डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा गाँधी पर केंद्रित
अखिल भारतीय बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन

गाँधी ने हमारे अंदर आत्मसम्मान पैदा किया – चंद्रशेखर कंबार
गाँधी ने समाज के हर वर्ग के लिए कार्य किया – के. सच्चिदानंदन

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर 2018 । साहित्य अकादेमी में आज महात्मा गाँधी के 150वें जयंती वर्ष के अवसर पर अखिल भारतीय बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 21 भारतीय भाषाओं के कवियों ने गाँधी पर लिखी अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष एवं कन्नड के प्रख्यात साहित्यकार चंद्रशेखर कंबार ने की तथा आरंभिक वक्तव्य प्रख्यात मलयाळम् साहित्यकार के. सच्चिदानंदन ने दिया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रख्यात डोगरी साहित्यकार पद्मा सचदेव थीं। कार्यक्रम का समापन वक्तव्य साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष एवं हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार माधव कौशिक द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रकाशित एक विशेष स्मारिका का विमोचन भी किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागी कवियों का संक्षिप्त परिचय और उनके द्वारा गाँधी पर लिखी गई कविता भी प्रकाशित की गई है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी आमंत्रित कवियों का स्वागत अंगवस्त्रम् प्रदान करके किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में साहित्य अकादेमी द्वारा महात्मा गाँधी के 150वें जयंती वर्ष में आगामी दो वर्षों तक आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि महात्मा गाँधी ने भारतीय समाज के हर हिस्से और हर वर्ग को प्रभावित किया है। अहिंसा के रूप में उन्होंने विश्व को एक ऐसा विश्वास दिया है जो हर विपरीत परिस्थिति में आंतरिक ताकत प्रदान करता है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि पद्मा सचदेव ने कहा कि गाँधी जी की सबसे बड़ी प्रेरणा महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए थी और उसी का परिणाम है कि आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उनके प्रोत्साहन से ही महिलाओं ने आज़ादी की लड़ाई में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने गाँधी पर लिखी अपनी कविता का पाठ भी किया।

अपने आरंभिक वक्तव्य में प्रख्यात मलयाळम् साहित्यकार के. सच्चिदानंदन ने गाँधी के आदर्शों की परिकल्पना को एक लेखक की नजर से प्रस्तुत किया। उन्होंने गाँधी के लिए स्वतंत्रता और स्वराज के सिद्धांत, धर्मनिरपेक्षता, समानता और सत्याग्रह की व्याख्या करते हुए कहा कि गाँधी के लिए ये सब समाज के 'अंतिमजन' को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए था। उन्होंने दलितों और महिलाओं के लिए किए गए उनके प्रयासों को भी रेखांकित किया। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने गाँधी पर लिखी अपनी कविता भी प्रस्तुत की।

... 2/–

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने गाँधी के व्यक्तित्व की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गाँधी ने पूरे विश्व को प्रभावित किया है। वे बड़े शहरों से लेकर गाँव के कोने तक पहुँचे। उन्होंने गाँव में रहने वाली भारतीय जनता को पहली बार एहसास कराया कि वे किसी विदेशी सत्ता के अधीन हैं और इससे अहिंसात्मक रूप से लड़कर ही स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने हमारे अंदर वो आत्मसम्मान पैदा किया जो किसी भी देश के नागरिकों के लिए बहुत आवश्यक है। वे आज भी अपने विचारों द्वारा हम सबके साथ हैं और हम उन्हें कभी भी नहीं भूल सकते।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में समापन वक्तव्य देते हुए साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि महात्मा गाँधी की उपस्थिति इतनी व्यापक और विराट है कि उसे केवल भारत में ही नहीं विश्व के किसी भी हिस्से में महसूस किया जा सकता है। उन्होंने जोहानबर्ग की अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके इस विराट व्यक्तित्व का असर पहली बार मुझे वहाँ देखने को मिला। उन्होंने कहा कि आज भी अगर किसी को अपनी आंतरिक शक्ति पर विश्वास करना हो तो गाँधी जी से बड़ा उदाहरण कोई भी नहीं हो सकता।

कार्यक्रम का अगला सत्र प्रख्यात अंग्रेज़ी रचनाकार अरविंद कृष्ण मेहरोत्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ और उसमें जीबन नाराह (असमिया), रश्मि चौधरी (बोडो), धीरेंद्र मेहता (गुजराती), गंगा प्रसाद विमल (हिंदी), जयंत कैकिनी (कन्नड), अज़ीज़ हाजिनी (कश्मीरी), विल्सन कतील (कोंकणी) ने गाँधी पर केंद्रित अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

अगले सत्र की अध्यक्षता अर्जुन देव चारण ने की और अजीत आज़ाद (मैथिली), राजकुमार भुबॅनसना (मणिपुरी), चंद्रकांत पाटील (मराठी), शत्रुघ्न पांडव (ओड़िया) एवं अभिराज राजेंद्र मिश्र (संस्कृत) ने गाँधी पर लिखी अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम का अंतिम सत्र शीन काफ़ निज़ाम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें विम्मी सदारंगाणी (सिंधी), कोप्पार्थि वेंकट रमण (तेलुगु), वनीता (पंजाबी) एवं बुद्धिनाथ मिश्र (हिंदी) ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के संपादक अनुपम तिवारी ने किया।

(के. श्रीनिवासराव)